

कार्यवाही विवरण

मेसर्स महावीर कोल वॉशरीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम-कन्हाईबंद, तहसील व जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा कुल क्षेत्रफल-6.98 हेक्टेयर (17.26 एकड़) में प्रस्तावित कोल वॉशरी क्षमता-0.99 मिलियन टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत दिनांक 18.08.2021 को समय 10.30 बजे, स्थान-शासकीय पूर्व माध्यमिक कन्हाईबंद/आदर्श प्राथमिक शाला कन्हाईबंद ग्राम-कन्हाईबंद, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण :-

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार मेसर्स महावीर कोल वॉशरीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम-कन्हाईबंद, तहसील व जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा कुल क्षेत्रफल-6.98 हेक्टेयर (17.26 एकड़) में प्रस्तावित कोल वॉशरी क्षमता-0.99 मिलियन टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय समाचार पत्र हरिभूमि, बिलासपुर में दिनांक 16.07.2021 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र पायोनियर, नई दिल्ली मुख्य संस्करण में दिनांक 16.07.2021 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तदनुसार लोक सुनवाई दिनांक 18.08.2021 को समय 10.30 बजे, स्थान-शासकीय पूर्व माध्यमिक कन्हाईबंद/आदर्श प्राथमिक शाला कन्हाईबंद ग्राम-कन्हाईबंद, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कार्यालय कलेक्टर, जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जांजगीर-चांपा, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र चांपा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, सरपंच/सचिव कार्यालय, ग्राम पंचायत कन्हाईबंद, सिवनी, जर्वे, सरखो, बनारी, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.), डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय (पश्चिम मध्य क्षेत्र), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भू-तल, पूर्व विंग, नया सचिवालय भवन, सिविल लाईन्स, नागपुर (महाराष्ट्र) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर - 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर

(छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका-टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका-टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को कोई भी पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 18.08.2021 को समय 10.30 बजे, स्थान-शासकीय पूर्व माध्यमिक कन्हाईबंद/आदर्श प्राथमिक शाला कन्हाईबंद ग्राम-कन्हाईबंद, तहसील-जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्रीमती लीना कोसम, अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला-जांजगीर-चांपा द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ देवव्रत मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री डी. एस. राजपूत, परियोजना एडवाइजर एवं डॉ० जे. के. मोईत्रा, पर्यावरण सलाहकार, (परियोजना कंसलटेन्ट), नई दिल्ली के द्वारा मेसर्स महावीर कोल वॉशरीज प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम-कन्हाईबंद, तहसील व जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जांजगीर-चांपा द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका-टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका-टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

1. **श्री दीपक बरेठ, ग्राम-कन्हाईबंद:-** हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है। साईडिंग खुलने से हम बेरोजगारों को रोजगार चाहिए। मांग यह है कि यहां जो अपना रोड है उसको सुधार के। दूसरा पानी टंकी का मांग है। तीसरा में लाईट व्यवस्था, गांव का गली का मरम्मत करे और बेरोजगार को रोजगार चाहिए।

2. **श्री भागवत यादव, ग्राम-कन्हाईबंद**:- रेल्वे साईडिंग से महू ला कोई आपत्ति नहीं है।
3. **श्री बबला कश्यप, ग्राम-कन्हाईबंद**:- यहां पर साईडिंग खुलने से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मेडिकल व्यवस्था एम्बुलेंस और खेल मैदान, और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करें।
4. **श्री विनय कुमार तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद**:- यहां कोल साईडिंग खुलने में कोई आपत्ति नहीं है। कम से कम गांव का विकास हो, पर्यावरण का विकास हो और लोकतंत्र का विकास हो। यही मेरी सबसे कामना है।
5. **श्री अजीत कुमार यादव, ग्राम-कन्हाईबंद**:- यहां कोल वॉशरी खुलने से कोई तकलीफ नहीं है। यहां बेरोजगार को रोजगार मिलेगा। गांव का विकास किया जाये।

लोक सुनवाई के दौरान श्री काशी प्रसाद राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद द्वारा कहा गया कि मैं जनसुवाई के जो भी अधिकारी है उनसे जानकारी जानना चाहता हूँ कि आवेदन किस प्रकार से एक आदमी कितना आवेदन दे सकता है और गांव के ही लोग आवेदन दे सकते हैं। बाहर के लोग भी आवेदन दे सकते हैं। ये जानकारी थोड़ा सा हमें गांव वालों को चाहिए और ये जानकारी कितने समय से कितने तक जन सुनवाई चलेंगी। गांव के मजदूर लोग काम करने बाहर गये हुये हैं और इन लोग के हिसाब से समय निर्धारित है। मैं गांव के जनप्रतिनिधि और जनता, आम नागरिक, मजदूर सब आयेंगे और हमें जानकारी देने की कृपा करें।

6. **श्री गीता कुमार तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद**:- बचपन से मैं इस गांव को देखते आ रहा हूँ। यहां किसी प्रकार से कोई आंदोलन नहीं हुआ है। ये पहली बार है कुछ लोगों की गलती के कारण भुगतना पड रहा है। यहां कभी किसी भी प्रकार का नहीं हुआ है। सब काम शांतिपूर्वक होता था। किसी कुछ लोग के गलती से यहां पर जमीन आबंटित किया गया और कोल साईडिंग खुल गया है, कोल साईडिंग जहां तक खुल गया वहां तक तो ठीक है और जमीन देकर कोल वॉशरी खोला जा रहा है। कोल वॉशरी खोलने से बड़े-बड़े मशीन बैठेंगे। काला-काला पाउडर आयेगा। पूरा घर काला-काला हो जायेंगे। बीमारी से ग्रसित होंगे पर्यावरण प्रदूषित होगा। इसलिए मैं चाहता हूँ किसी भी हालत में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। मैं इसका पूरजोर विरोध करता हूँ।
7. **श्री विकास तिवारी, कन्हाईबंद**:- मैं चाहता हूँ कि यहां पर कोल वॉशरी खुले लेकिन यहां के जो भी बेरोजगार युवायें हैं उन सब को यहां पर नौकरी मिले और गांव का विकास हो। बस यही कहना चाहता हूँ।

8. **श्री बजरंग लाल यादव, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं चाहता हूँ कि मेरे गांव में लोगों को रोजगार मिले, चिकित्सा का पूरा व्यवस्था हो और गौ-गोठान का उसका भी व्यवस्था किया जाये।
 9. **श्री बलराम प्रसाद कश्यप, ग्राम-कन्हाईबंद** :- यहां महावीर कोल वॉशरी खुलने से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन हमारे ग्राम कन्हाईबंद में उचित व्यवस्था होना चाहिए। गांव में मेडिकल व्यवस्था, डाक्टर की व्यवस्था, लाईट व्यवस्था, पानी की व्यवस्था होना चाहिए। हमारे गांव के बहुत से लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। हमारे गांव के लोगों को अच्छे से अच्छा काम मिलना चाहिए। हमारे गांव में बाहर से लोगों को नहीं लेना चाहिए और एक एम्बुलेंस की व्यवस्था होना चाहिए गांव के पंचायत में।
- लोक सुनवाई के दौरान श्री सनत कुमार पटेल, कन्हाईबंद द्वारा कहा गया कि मैं यह जानकारी चाहता हूँ कि जो आज जनसुनवाई है उसमें जो आवेदन आपत्ति दर्ज कराये है उसमें स्वयं आकर देंगे या और उनके प्रतिनिधि के रूप में आपत्ति दर्ज करा सकते है और ये जो कितने से कितने बजे तक आवेदन ली जायेगी। आपत्ति दर्ज की जायेगी। क्योंकि हमारे सभी ग्रामवासी कृषक है अधिकांश लोग खेत गये हुये है तो इस संबंध में मुझे जानकारी देने की कृपा करें।
10. **श्री रघुनंदन पटेल, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं कोल वॉशरी का संपूर्ण विरोध करथव।
 11. **श्री राजेश कुमार तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मोर 45 डिसमिल जमीन है कृषि भूमि। ओमा कोल वॉशरी महावीर कोल वॉशरी द्वारा रेल साईडिंग निर्माण करे गये है। ओमा बाउंड्री के बाजू मा, जो रोड बनाये है, ओखर द्वारा मोर खेत मा ऊपर से पूरा पानी घुसत थ, ओखर द्वारा मोर फसल नुकसान होवत थे। महावीर कोल वॉशरी के राज मिश्रा जी, दिनेश जैन जी के पास कई बार निवेदन करे हव की पानी के व्यवस्था अपन बना लेवा। जेखर कारण मोर फसल नुकसान न होवय। कई बार निवेदन करे के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिस। ऐकर कारण मैं चाहत हव कि कोल वॉशरी मत बने। कोल वॉशरी बनने के कारण न धान उत्पादन होही, आदमी के स्वास्थ्य भी खराब होही, जल भी प्रदूषित होही। ऐकर कारण मै ऐकर विरोध दर्ज करे मा निवेदन लेके आये हव।
 12. **श्री श्रवण यादव, पंच वार्ड के 13, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं पूर्ण रूप से विरोध करते हुये कोल वॉशरी का घोर रूप से विरोध करते हुये कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। तो हमारा कहना है गांववासी हमारा साथ दे, साथ में हमारा हाथ बटाये।
 13. **श्रीमती सरोजनी राठौर, पंच 11 वार्ड, ग्राम-कन्हाईबंद** :- हमारा वहां पर खेत है। कोल वॉशरी वहां पर खुलने नहीं देंगे।

14. **श्रीमती कमला बाई महंत, पंच 10 वार्ड, ग्राम—कन्हाईबंद** :— हम कोल वॉशरी के विरुद्ध है। गांव में खेती कर रहे हैं। गांव में काला पानी जा रहा है। इससे किसानों को नुकसान हो रहा है।
15. **श्री सदन यादव, ग्राम पंचायत भेलाई उपसरपंच** :— जहां पर जनसुनवाई होती है। उद्योग खोला जाता है। उद्योग खोलने से रोजगार उपलब्ध होते हैं और गांव का विकास होता है। लेकिन उद्योग से जो वातावरण प्रदूषित होते हैं। उसके लिए वॉशरी वाले गांव के हित में सीएसआर के मद होते हैं। सीएसआर मद से जो गांव प्रभावित होते हैं। उस गांव का विकास नहीं होता है। प्लांट के द्वारा सीएसआर का पैसा कलेक्टर के यहां जमा कर दिया जाता है। लेकिन कन्हाईबंद में कोल वॉशरी खुल रहा है। सीएसआर का पैसा कन्हाईबंद में होना चाहिए। उसके बाद अन्य प्रभावित गांव हैं उसमें करना चाहिए। मेरे ग्राम भेलाई में 03 वॉशरी है आज लगभग 10 वॉशरी है। सीएसआर मद से कोई दो रुपया खर्च नहीं होते हैं। कलेक्टर साहब मान लो सीएसआर का पैसा जैजैपुर में खर्च किये हैं। क्या मतलब है। यदि सीएसआर का पैसा जहां गांव प्रभावित हो रहा है। उनको पहले प्राथमिकता देना चाहिए साथ ही साथ मान लो कि कोयला डस्ट हम खाये, मलाई दूसरे जिले वाले खायेंगे। ये कहा का नियम है। मैं निवेदन करता हूँ। जो जहां वॉशरी लग रहा है। जहां उद्योग लगे हैं। वहां सीएसआर का पैसा तुरंत देना चाहिए। सीएसआर का पैसा यदि जहाँ पर जो गांव में उद्योग लगे हैं सीएसआर का पैसा लग जाते हैं। तो कम से कम वहां उस गांव में विकास होंगे और हमारे भेलाई में 03 कोल वॉशरी लगे हैं। कोरबी, बिरगहनी, भेलाई, डोंगरी सब गांव प्रभावित हैं। दो रुपये खर्च नहीं हुआ है। कलेक्टर साहब को बोले कि सीएसआर का पैसा दो तो वो बोले कि कोरोना में खर्च कर दिये हैं। सिर्फ हम लोग कोयला खाने के लिए हैं क्या। यदि वॉशरी वाले अपने सीएसआर का पैसा कलेक्टर आफिस में जमा कर देते हैं तो और हम यदि वॉशरी में जाते हैं तो सीएसआर का पैसा है तो हम कलेक्टर आफिस में जमा कर दिये हैं और जाकर हम कलेक्टर आफिस में पैसा मांगने जाते हैं और हमारे गांव के विकास के लिए दीजिए। तो दो रुपये नहीं देते हैं। सीएसआर का पैसा, जिस—जिस गांव में जहां—जहां वॉशरी उद्योग खुल रहा है। उस गांव को पहली प्राथमिकता दी जाये। उस क्षेत्र को दिया जाये। और साथ—साथ उद्योग खोलने पर हर क्षेत्र के वासियों को प्राथमिकता दिया जाये काम के लिए। मान लो हम लोग 12 वी किये हैं तो 12 वी जैसे काम देना चाहिए और एम. ए. किये हैं तो योग्यता के अनुसार काम दिया जाये। हमारे क्षेत्र में उद्योग लग रहे हैं तो उस क्षेत्र के लोगों को प्राथमिकता दिया जाये और मैं बार—बार यही कहना चाहूंगा कि सीएसआर का पैसा जहां —जहां प्लांट लगा है उस गांव को पहले प्राथमिकता दिया जाये।
16. **श्री संतोष राठौर, ग्राम—कन्हाईबंद** :— मैं कोल वॉशरी ला बंद कराये चाहत हव।

17. **श्री महेश ठाकुर** :-मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। कल हमारे ग्रामवासी द्वारा चक्का जाम किया गया था। क्योंकि हमारे खेतों में पानी तहसीलदार, मैडम और शासन के अधिकारी लोग थे। वहां कल बोला गया है कि पानी की उचित व्यवस्था की जाये। पानी इतना ज्यादा हो गया है। सभी खेतों में पानी ऊपर से जा रहा है। आप सभी से निवेदन है कि हमारे खेतों में इतना ज्यादा पानी नहीं चाहिए। कल बोले वहां पर 02 पंप लगोगा, जाते हैं, जाते हैं, वहां गांव वाले आते हैं 10 बजे। ऐसी व्यवस्था नहीं चाहिए।
18. **श्री अखिलेश कुमार पटेल, ग्राम-कन्हाईबंद** :- कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। हमारे गांव में कोल वॉशरी नहीं चाहिए।
19. **श्री अजय यादव, ग्राम-कन्हाईबंद** :- हमारे गांव कन्हाईबंद में जो कोल वॉशरी खुल रहा है। भाई उसमें हमारा बहुत सारा नुकसान है। इसको हम कैसे करेंगे। क्या करेंगे। इसका स्वीकार कौन करेगा। हम जो भी है जैसे भी है इसका काम आप करोगे। आप कर सकते हो, आगे आ सकते हैं। उसको रद्द कर दो। भाई हम गरीब आदमी कहां जायेंगे। अभी आप कोल वॉशरी खोल दोगे। जो भी है जैसा भी है कर लोगे। उसके बाद आगे चलकर हमारा क्या होगा। भाई हम भी गरीब हैं। देख लो इसको थोड़ा सा हमको भी। खोल रहे हो खुल जाने दो। हमको इसमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जो है गांव वाले जो चाह रहे हैं। जैसे कर रहे हैं उसको करने दीजिए। अब हमारा सिद्धांत ठीक है नई कर सकोगे तो कुछ भी करके करो ना। मेरा कहना ये है कि कोल वॉशरी खुल रहा है वहां बैठा ल रहे हैं बैठ जाने दीजिये हमारा जो प्रस्तावक है दे दीजिए, जो करना है कर सकते हो हमारा कोई एक प्रकार का डिफेक्ट नहीं है। लेकिन हमारा भी काम स्वीकार करो न जी। तब तो होगा कि ऐसी कर दोगे, बिन पूछे किसी से। हम भी हमारा भी हमारा है जो भी है जैसा भी है देख लो, क्या करना है कैसे करना है। क्या करके चलना है। कैसे चलाना है। उसका आदेश स्वीकार करके देखो। कैसे चलना है। ये नहीं है चलने दो आप हमभी देखते हैं कि चलने दो ऐसी काम नहीं चलेगा। ठीक है ना तो हम बोल रहे हैं। उसको ध्यान से सुनो। हम बोल रहे हैं कि हम कोल वॉशरी बैठायेंगे लेकिन अपने दम पर बैठायेंगे। हमारा स्वीकार रहेगा। बैठेगा तो कोल वॉशरी नहीं तो नहीं रहेगा कोल वॉशरी। बात क्लीयर है। जो करना है जैसा करना है वो हम आप स्वीकार करेंगे।
20. **श्री बोधराम राजवाडे, ग्राम पंचायत बनारी सरपंच**:- मेरा गांव भी महावीर कोल वॉशरी से प्रभावित होने वाला है। सबको उम्मीद है आपको अनुमति मिलेगी। हम लोगो के विरोध करने का कोई मतलब नहीं। ये हम लोग जान रहे हैं फिर भी औपचारिकता हम लोग कर रहे हैं। क्योंकि जो आदमी कोल वॉशरी की स्थापना होगी। वो मेरे गांव से नाला की शुरुआत होती है नाला वो बनारी जाती है।

जिसे आपके कोल वॉशरी से कोयले का डस्ट पूरी तरह प्रदूषित हो जायेगी, नाला। जिससे हमारे गांव के सवैया लोग है। जो पूरा सब्जी पौधे बोने का कृषि कार्य करते है। उसी पानी से न कृषि कर पायेंगे, न सब्जी बो पायेंगे। मैं जानता हूँ आप लोगो से अनुमति तो मिलेगी ही। साथ ही इससे पूरा हमारा गांव का सवैया जो लगभग 100 घर है। निस्तारी तालाब वहां नहीं है। उसी पानी से निस्तारी पानी से पीने का भी कार्य करते है। गर्मी के दिनों में। वो पानी दूषित हो जायेगी। जिसे एक बीमारियां बढ़ेगी। एक तो हम ले दे के पीते है। बीमारी से भी निपटना पड़ेगा हमको भी। इसलिए मैं सख्त विरोध करता हूँ। इसी कोल वॉशरी के निर्माण के लिए साथ ही एक आदमी बढिया बोले हमेशा सीएसआर प्रभावित क्षेत्र को दिया जाता है। लेकिन आज तक कभी किसी से प्रभावित क्षेत्र को नहीं दिया गया। बल्कि उलटे दूसरे गांव को दे दिया जाता है, पैसा। मैं उदाहरण बता रहा हूँ कि मंडवा प्लांट से जो स्थापना हुआ है। वो भी हमारा गांव भी प्रभावित क्षेत्र है लेकिन आज भी एक रुपया भी नहीं मिला है। जबकि स्थापना हुये लगभग 10-12 साल हो गये। तो मेरे कहने का मतलब ये है। हमारा विरोध दर्ज है। आपको तो मिलेगा ही। हम लोग को पता है निश्चित रूप से मिलेगी। हम लोग का विरोध करने का मतलब है कि निश्चित रूप से हमारी खेती प्रभावित होगी। बंजर बन जायेगी, साथ ही पानी दूषित हो जायेगी। मैं शासन से निवेदन तो कर सकता हूँ आप लोगो से नहीं कि इस स्थापना को रोका जाये। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों को देखा जाये। नहीं तो संकमण की अति बीमारी बढ़ेगी ।

21. श्री अमित कुमार यादव, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी खुलने का विरोध करता हूँ।
22. श्री शंकर पटेल, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी खुलने का संपूर्ण विरोध करता हूँ।
23. श्री नरेश कुमार लाठिया :- मैं आने वाले भविष्य को देखते हुए। मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
24. श्री लखन लाल बरेठ, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी नहीं खुलने दिया जाये। गांव को देखते हुये कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
25. श्रीमती कमला बाई, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
26. सुश्री रेशनी बाई मानिकपुरी, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।

27. सुश्री समरीरुनिशा, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
28. सुश्री पूजा महंत, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
29. श्रीमती सकुन बाई, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
30. श्रीमती सतबाई यादव, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।

बीच-बीच में गांव वाले आपस में शोर गुल कर रहे हैं।

31. श्री बसंत तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद :- हमारे ग्राम में कोल वॉशरी का निर्माण हुआ है। इस विषय में कुछ कहना चाहता हूँ। हमारी तरफ से सहमति है। हमारे ग्राम पंचायत की तरफ से ऐसा कुछ कार्य करवाये गांव में जिसमें गांव के नागरिक विरोध न करें। इसलिए कुछ ऐसा भी करे कि कन्हाईबंद में उससे पूरा आक्रोश है गांव में। गांव में कुछ उन्नती के लिए सहायता राशि का सहयोग करें। हमारे गांव में सुविधा की कमी है। सबसे पहले नल, जल-योजना का प्रयास करें। भवन निर्माण, विद्यालय के लिए प्रयास करें और थोडा सा विद्युत का भी कमी है। यहां हमारे ग्राम कन्हाईबंद में थोडा सा सुविधा बढा दे, जो भी होना है। सहयोग राशि प्रदान करें। यहां जो कमी है उसे पूरा करें।
32. श्री बिसन लाल बिरजौर, ग्राम-कन्हाईबंद, पंच वार्ड नं. 06 :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।
33. श्री मनहरण कुमार :- कोल वॉशरी का समर्थन करता हूँ।
34. श्री राज कुमार यादव :- हमारा समर्थन है। गौठान, खेल का मैदान बनाकर दे।
35. श्री मोहन बरेठ, ग्राम-कन्हाईबंद :- जो गांववासी बोल रहे हैं उसका समर्थन किया जाये और मैं सहमत हूँ।
36. श्री जगत बरेठ, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
37. श्री तिरिथराम पटेल, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
38. श्री संतोष कुमार यादव, ग्राम-कन्हाईबंद :- आपत्ति नहीं है। काम दिया जाये।
39. श्री चित्रभान सिंह राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी के विरोध में कुछ शब्द बोलना चाहता हूँ। मेरे रास्ते में मेरा जमीन है। कोल साईडिंग खुलने के

कारण पूरा फसल बर्बाद हो रहा है। न सड़क की व्यवस्था है ना बिजली, पानी की व्यवस्था नहीं है। मुझे बहुत परेशानी हो रही है। अतः यहां बिल्कुल कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। मैं इसका कड़ा विरोध करता हूँ।

40. श्री ऐवत राम कश्यप, ग्राम—कन्हाईबंद :— मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। धूल के कारण हमारा आंख खराब होते जा रहा है दिनो दिन इसके कारण इसको बंद किया जाये।
41. श्री नरेश, ग्राम—कन्हाईबंद :— मैं कोल वॉशरी का विरोध करथव।
42. श्री श्याम लाल पटेल, ग्राम—कन्हाईबंद :— मैं कोल वॉशरी का विरोध कर रहा हूँ।
43. श्री सुरेश यादव, ग्राम—कन्हाईबंद :— कोल वॉशरी का विरोध कर रहा हूँ।
44. श्री मुकेश कुमार पटेल वार्ड नं. 04 पंच, ग्राम—कन्हाईबंद :— कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
45. श्री गंगा प्रसाद राठौर, ग्राम—कन्हाईबंद :— कोल वॉशरी खुल रहा है उसका बहुत से बहुत विरोध करने वाले है मै खुद चाहता हूँ कि गांव में कोई मशीन नहीं बैठे, बैठते है तो गांव वाले जाकर उखाड दे।
46. श्री मोतीलाल राठौर, ग्राम—कन्हाईबंद :— मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
47. श्री ईश्वर दास, ग्राम—कन्हाईबंद :— कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
48. श्री संतोष पटेल, ग्राम—कन्हाईबंद :— मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
49. श्री राम कुमार कश्यप, ग्राम—कन्हाईबंद :— मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
50. श्रीमती सुकवारा बाई, ग्राम—कन्हाईबंद पंच 01 :— मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
51. श्रीमती कमला बाई, ग्राम—कन्हाईबंद पंच 07 :— कोल वॉशरी खुले करके जगह नहीं है। न नहाके के जगह हे, खातू, माटी बो के जाथन बहुत परेशानी है हमला। सब नान—नान नोनी—बाबू हे चेताये हे गरवा बछवा हे सब जगह छेकाये के जगह हे। सब बहुत परेशानी हे हमन ला अतके दुख होवत हे बतावा ऐतके कन दुख होवत हे। क्या करे खेती बर धान नहीं होथे। नान नान नोनी लइका

दुख पाते सड़क नाहाक के जाना पड़त हे हम मन क्या करे बतावा दुख पाथन ओखरे मेर विरोध करथन।

52. श्रीमती ललिता बाई, ग्राम-कन्हाईबंद, पंच वार्ड नं. 2 :- कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
53. श्रीमती वंदना देवी राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद, पंच, वार्ड नं. 09 :- कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
54. श्रीमती मधुरी राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
55. श्रीमती कुन्ती, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
56. श्री संत लाल राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी के विरुद्ध बोल रहा हूँ। जगह नहीं है पशु चराने के लिए।
57. श्री रोशन तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद :- विरोध करता हूँ। मैं कोल वॉशरी बनाने का विरोध करता हूँ।
58. कु. प्रतीक्षा तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी बनाने का विरोध करती हूँ।
59. श्रीमती सरोजनी राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद, वार्ड नं. 11, पंच :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
60. श्री राजेश यादव, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
61. श्री राहुल कुमार गोयल, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी खोलने के लिए विरोध करता हूँ। यह हमारे आने वाले कल के लिए समस्या हो सकती है। पर्यावरण की सुरक्षा करें।
62. श्री भीषम प्रसाद राठौर, ग्राम कन्हाईबंद :- सबको नमन करता हूँ साईडिंग के लिए जमीन को लिया उनने। सिर्फ साईडिंग तक के लिए था। एक व्यापारी जो है पहले उंगली को पकड़ता है उसके बाद हाथ को पकड़ता है फिर गला दबाता है। तो मैं ये चाहता हूँ कि उनसे मेरा निवेदन है। कि मैं उन्हे अपना बड़ा भाई मानता हूँ। विकास को अपना भतीजा मानता हूँ। विशाल को अपना भतीजा मानता हूँ। लेकिन जहां तक पर्यावरण की बात है। वॉशरी होना ही नहीं चाहिए।

माईक चालू करो बंद नहीं होना चाहिए। माईक बंद करके क्या करोगे। हों साथियों मैं ये चाहता हूँ कि किसी भी सूरत में हमारा जमीन हमारा है और यहां ये जो गुंडा तत्व के हैं। उन्हें नौकरी दिया गया है। जमीन हमारा, खाए कोई दूसरा। मेरा लडका असम में इंटरव्यू देने गया था असम के लोग इंटरव्यू देने नहीं दिये। मैं चाहता हूँ कोई भी बाहरी आदमी कन्हाईबंद में नहीं दिखना चाहिए। मैं निवेदन करूंगा, गुंडा गर्दी नहीं कर सकता। मेरे पास कुछ नहीं है। कलम है मेरे पास कलम से लड सकता हूँ। कहते हैं ना कलम और तलवार जहां तलवार की जरूरत है तो तलवार चलाओं कलम की जरूरत है तो कलम से काम लो। साथियों मेरा निवेदन गांधी जी ने अहिंसा का आंदोलन चालाया था। और आज उन्ही को राष्ट्र पिता कहते हैं। एक से दो गरम दल के नेता थे। जिनमें सुभाष चंद्र बोस, चन्द्र शेखर आजाद ऐसे लोगो का नाम आता है। वो देश के लिए शहीद हो गये लेकिन उनका नाम नहीं आता। मैं ये चाहता हूँ शांतिपूर्ण ढंग से कार्यक्रम निपटे। कही हिंसा न हो। न अभी हो न भविष्य में हो। मैं पुनः विकास जैन से विशाल जैन से विनोद जैन से देवेन्द्र जैन से जिन्होंने छलावा डालकर जमीन खरीदा है। मेरा निवेदन है वो कदम पीछे हटा ले तो ज्यादा अच्छा है।

63. **श्री रविशंकर राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं पूर्ण रूप से कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
64. **श्रीमती प्रमिला बाई, ग्राम-कन्हाईबंद**:- मैं कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
65. **श्री अरुण कुमार राठौर, ग्राम पंचायत बोडसरा सरपंच** :- मैं आपत्ति दर्ज कराने आया हूँ। विषयांतर्गत लेख है कि ग्राम कन्हाईबंद में महावीर कोल वॉशरी होना प्रस्तावित है इस परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण स्वीकृत हेतु निम्नलिखित आपत्ति है। प्रस्तावित कोल वॉशरी हमारे ग्राम बोडसरा के आबादी आवास से 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर लगा हुआ है। जिससे वहां का विषैला धुआ, धूल घर में घुसेगा जिससे मानव जीवन पर बीमारी आयेगा। कोविड 19 के संक्रमण से हमारे ग्राम के नागरिक लगभग 80 प्रतिशत प्रभावित हुये हैं। हमें प्रकृति स्वच्छ आक्सीजन की आवश्यकता है। वॉशरी के वायु प्रदूषण से हम बीमार होकर मर जायेंगे। सिंचित कृषि भूमि बंजर हो जायेगी। प्रदूषण से किसानों की स्थिति भूखे मरने की होगी। प्रस्तावित कोल वॉशरी उद्योग के कारण भारी वाहन का आवागमन होने के कारण हमारे ग्राम के पढ़ने लिखने वाले छात्र-छात्राओं को दुर्घटना होने स्थिति बनी रहेगी। तालाब का पानी दूषित हो जायेगा जो खेत के सिंचाई के लिए प्रस्तावित है। तालाब का पानी प्रदूषित होने पर मवेशी बीमार होंगे। उपरोक्त कारणों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित कोल वॉशरी उद्योग स्थापित किया जाना न्याय संगत नहीं होगा, कोल वॉशरी हमें स्वीकार नहीं होने के कारण आपत्ति दर्ज करते हैं।

66. **श्री मनहरण लाल, ग्राम-कन्हाईबंद** :- कोल वॉशरी खुलने का विरोध कर रहा हूँ। विरोध कर रहा हूँ।
67. **श्री बसंत पटेल, सरपंच ग्राम पंचायत पाली** :- आज मेरे यहां कन्हाईबंद में महावीर कोल वॉशरी स्थापित होने जा रहा है। हमारे पूर्व सरपंच एवं हमारे पूर्व वक्ता सरपंच बनारी ने कहां। कि यहां कोल वॉशरी प्रारंभ हुआ तो कोल डम्पींग चुका है। क्या अधिकारी उस पर कोई कार्यवाही किये ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत कार्य हेतु पिछले साल की बात है। ग्राम पंचायत के निर्माण कार्य हेतु जब रेती डम्पींग किया गया था। उसको खनिज विभाग के द्वारा कार्यवाही नहीं किया गया था। क्या अब ये कोल वॉशरी में कोल डम्पींग किया गया। ये कार्यवाही ही नहीं बनता। बंधुओ आज हम लोग इसलिए उपस्थित है कि सभी को मालूम है कि पर्यावरण पर क्या प्रतिकूल असर पड़ेगा। मानव जीवन पर क्या असर पड़ेगा। तो मैं समझता हूँ। उपस्थित जनो में 100 प्रतिशत जो इस क्षेत्र का निवासी है। अधिकारियों को छोड़ दीजिए। इस क्षेत्र का निवासी जो है। वो शत प्रतिशत विरोध में है और मैं भी इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। स्थापित करने का विरोध करता हूँ। नहीं होना चाहिए। परंतु ये आंदोलन जन सुनवाई है ये निश्चित रूप से औपचारिक है। ये पहले से तय हो जाये रहता है। कि क्या करना है। कोई जन सुनवाई करेंगे विरोध का गारंटी देते है अधिकारी लोग बताये है कि विरोध के बाद में नहीं खुलेगा। इस गांव के इस क्षेत्र के शत प्रतिशत लोगों का मैं हस्ताक्षर का सिग्नेचर दे दूंगा। ये ज्ञापन दे दूंगा। कि यहां पर वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। बंधुओ आपको मालूम है। ग्राम कि पाली में राखड़ डेम खुला। जिस दिन गर्मी के दिनों में तूफान आता है। आप वहां पर 10 मिनट खड़े होकर दिखाईये मेरे को या जांजगीर से बलौदा जाकर दिखाईये मेरे को क्या प्रभाव पड़ता है। मैं देखा हूँ कि पाली में धूल से धूल सड़क हो जाता है। तो यहां पर वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। विरोध के बाद नहीं खुलेगा। कोई एक भी अधिकारी बता सकते है क्या विरोध के बाद नहीं खुलेगा। खुलेगा निश्चित रूप से खुलेगा। वो तय है। और खुलेगा भी हम तो विरोध कर रहे है। जनता भी नहीं चाहती कि यहां पर कोल वॉशरी खुले। परंतु दुर्भाग्य से खुल जाता है। मैं इस वॉशरी के प्रबंधन से निवेदन करता हूँ कि मैं उनसे लिखित में अश्वासन लेना चाहता हूँ कि इस क्षेत्र के पर्यावरण की सुरक्षा के लिए, इस क्षेत्र के जन सुविधाओं के लिए क्या करना चाहते है। बंधुओं मैं समर्थन में नहीं हूँ विरोध में हूँ। बार-बार कह रहा हूँ कि विरोध हमारा कोई मतलब का नहीं है। क्योंकि जिनका स्थान क्षेत्र है वो निश्चित रूप से खुलेगा। खुलने के बाद इस गांव के लिए, इस गांव के जन सुविधा के लिए हम बार-बार विरोध हुआ है कि विद्यालय के बगल से मात्र 5 मिनट की दूरी से ये वाहने गुजरेगी। हमारे छत है के ऊपर खेलेंगे उसके लिए क्या सुरक्षा का उपाये किया गया। यहां कोई आश्वासन दे सकता है प्रबंधन। बंधुओ सिवनी के सरपंच को बुलाया गया। बोडसरा के सरपंच को बुलाया गया। मेरे गांव के पहले जवे है उनको बुलाया

गया। पाली को छोड़ दिया गया। ऐसा क्या कारण है। जब पाली से वो गाड़ी नहीं गुजरेगी, क्या पाली प्रभावित नहीं होगी। शायद मैं समझता हूँ। इनको मालूम है कि बसंत पटेल हमारा विरोध करेगा। लेकिन पाली को छोड़ दिया जाता है। पाली से पहले जवे है। बंधुओ वैसे हम एक ही कहना चाहते हैं। वैसे खुलना नहीं चाहिए। खुल जाता है तो इस गांव के लिए क्या बोलना चाहते हैं। बंधुओ गांव वाले कोई भी उद्योग स्थापित होता है। उसका सीएसआर मद होता है। उसका 2 प्रतिशत या 3 प्रतिशत जो भी हो। उस क्षेत्र के विकास के लिए खर्च किये जाते हैं। मडवा पॉवर प्लांट में आपको मालूम है। इस क्षेत्र के 15-20 गांव प्रभावित हैं। उनके द्वारा इन गांव को न देके उस गांव के विकास कार्य में खर्च न करके अन्य मद में खर्च किया जाता है। मैं वहां गया था। सीएसआर मद का पाली के विकास में लगाया गया। माननीय महोदय जिलाधीश के द्वारा एक भी न सुना गया। जांजगीर के क्षेत्र में हेल्थ के लिए जीरो है। और मैं सीएसआर के मद को हेल्थ में देना चाहता हूँ। कलेक्टर साहाब आपके पास देने का अधिकार है। हमारे विकास का हनन करते हुए इस क्षेत्र के मूलभूत सुविधाओं को हनन करते हुए। उस सीएसआर मद को हेल्थ में दे दिये। आपदा प्रबंधन जिला अधिकारी महोदय आपदा प्रबंधन की राशि को उस क्षेत्र में खर्च करते ये हमारा विशेष अधिकार है। उसको आप छीन करके। हमारे अधिकार को छीन करके आप अन्य मद पर खर्च किये ये हमारे साथ अन्नयाय है। ऐसा नहीं होना चाहिए। वो राशि इस गांव के लिए विशेष रूप से खर्च होना चाहिए। ये गांव में स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित होना चाहिए। इस गांव में छात्र-छात्राओं के लिए जिला मुख्यालय होना चाहिए। हमारे आने वाले समय में मुख्यमंत्री द्वारा घोषणा किया गया। कि अस्पताल के लिए मेडिकल कॉलेज खोले या अन्य उच्च शिक्षा के लिए पॉलीटेक्निक कॉलेज खोले या अन्य पढाई के लिए कम से कम बलौदा से जांजगीर तक निशुल्क प्रबंधन के द्वारा एक दो बस दिया जाना चाहिए। इस विद्यालय को यहां से हटाकर जांजगीर के द्वारा शासन जो खर्च करती है। यहां पर कोल वॉशरी स्थापित नहीं होना चाहिए। पर मुझे मालूम है लगेगा। स्थापित होगा। परंतु मेरा निवेदन है कि उस स्थान पर बैठे हैं उस स्थान पर उस विद्यालय को अन्यत्र स्थान पर स्थापित किया जाये। इस भू-भाग पर स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किया जाये। कई सुविधाये हैं क्या सुविधा देना चाहते हैं। कोल वॉशरी या प्रबंधन द्वारा क्या सुझाव देना चाहते हैं। इसे निश्चित रूप से उल्लेख करें। इस क्षेत्र के जनता को ग्राम कन्हाईबंद की जनता को विश्वास में ले और हम ये करेंगे कि होना चाहिए। मैं पुनः विरोध करते हुए इस वॉशरी का विरोध करता हूँ।

68. **कु. जागृति सिंह राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद** :- प्रस्तावित स्थल में भारी वाहनो के आवागम से बच्चो की स्कूल की पढाई ध्वनि प्रदूषण से पढाई बाधित होगी इसलिए मैं इसका विरोध करती हूँ।

69. **कु. अंकिता राठौर, ग्राम—कन्हाईबंद** :- स्कूल के बच्चों की पढाई को प्रस्तावित स्थल के रास्ते में स्कूल होने के कारण भारी वाहनों के आवागमन होने के कारण बच्चों की पढाई बाधित हो रही है। इसलिए मैं कोल वाशरी को विरोध करती हूँ।
70. **कु. दीक्षा तिवारी, ग्राम—कन्हाईबंद** :- तालाब में गाय भैंस पानी पीते हैं, प्रदूषण के कारण बीमार पड़ सकते हैं, मर सकते हैं, मैं कोलवाशरी का विरोध करती हूँ।
71. **श्री कमल, जिला पंचायत क्षेत्र क्रं. 01 प्रतिनिधि**:- बोलिए भारतमाता की जय आज 18 अगस्त है और हमन भाई मन उम्मीद करत हन की आज 18 अगस्त ह क्षेत्र में हमर इतिहास बनै। काबर कि जो कोल वाशरी खुलत है जेकर मैं सख्त विरोध करत हव। हमर पच्चीस ठन कारन हवे जेकर हम सख्त विरोध करत हन। हमर गांव वाला मन कोई भोलाभाला नई हैं पूरा क्षेत्र के जनता यहां दुखी है मैं तो चरनों में कुछ बात रखना चाहत हंव, उपस्थित हमर छत्तीसगढ़िया दीदी हमर बीच में बैठे हुए है, तहसीलदार साहब आए हैं प्रशासनिक अमला बहुत झन आये हैं मैं तो ये बताओं कि इहां होत का है ददा के गांव के जनता जाने नहीं और पुलिसवाले यहां खड़े हैं ये का प्रकार है होत का है ददा, मैं तो एही देखत हौं कि ये का है प्रकार होत का है ददा। मैं तो एही देखत हो के का होत है भेलाई में, दूसरा बात, अरे नहीं नहीं जिंदाबाद बाद में करना, छत्तीसगढ़ के करना है, भूपेश बघेल को करना है, हैना भाई हर साल कोई न कोई एक आदमी के बलि लेत है ये ट्रक मा। इ एक्सीडेंट में मैं नेतागिरी में आए नहीं हौं मैं बनियागिरी मा रहेंव आयं। आज एक लईका ल कुचल दीस ट्रक वाला मन ह। जो भी नियम कायदा रहिस त पच्चीस हजार मुआवजा देहिस तो भाई हमन आदमी मन कुकुर बिलई नोहे। हमन अनसन करने एकर विरोध करेंव तो मोर पर धारा लगाईस जे के मैं आज तक भुगतत हंव, हर साल अइसने अइसने होत रइही। जेकर कारण हमन विरोध करना चाहत हन, अब हमर साथ बनारी के सरपंच आ गए हे, बोड़सरा के सरपंच आए हे, तेंदूभांठा के सरपंच प्रतिनिधि आए हे, पाली के सरपंच आए हे, इतना तक एक मीडिया मन आए हैं तुमन ला धन्यवाद है चरणस्पर्ध है भाई जो हमर छोटे से गांव मा आप मन आ गए तो आपमन कर बहुत बहुत स्वागत धन्यवाद हे। हमर एतके कहना है के कोई भी साल हमर हित में नई हे इंहा और मैं जो बोलना बोलना चाहत हंव कि यहां के सत्रह एकड़ जमीन का कोलवाशरी ला ले लीस है, आधा गांव ल पता नई है, बताओ कोई ला बताइस है गा? सत्रह एकड़ जमीन ला दे देहिस का सरकार ला ये अधिकार है जो बाहर के आदमी ला दे देहिस, आज विश्व में छोटे से देश हवय, जापान देश वहां अमेरिका बम गिरा दिस। आज तक वहां घांस पैदा नई होईस। वहां विज्ञान बहुत आगे हे। वहां ऐतका कन डाटा सेवन जीबी ऐट जीबी होथे लेकिन आटा नहीं होवे, काबर कि उंहा के जमीन दूषित हो गए हे। हमर ज्यादा तर्जुबा नहीं है भाई, मैं तो मैट्रिक पास वाला नेता हौं। दूसरा बात हमर स्वास्थ्य बर बुरा असर पड़ने वाला है काबर ये दे सब मन मास्क लाए हें, कोरोना

मा, यहां बारो महीना करोना रहिस हे। हमर गांव मा प्लांट खोल देहिस मड़वा प्लांट, वो पूरा जमीन ला ले लेहिस है और रोजगार बिहारी मन लो दे दिहिस है। जेकर हमने विरोध हैं यहां के जो जनप्रतिनिधि मन नहीं आए। नहीं आये एतीबर हमन उमन के होए ना देवो खड़े और जनहित में हानि है। और एक जवान लईका शहर में खत्म हो गए है और एक झन के छः महिना पहले एक्सीडेंट होए रहिस वो लइका हर बिस्तर मा पड़े है। कोई नई आए ओकर घर बिचारा, काबर जाबो जी, जब खुलही तो सबमन के होही हानि में बात पक्का है और गांव के विकास में का होना है, जमीन में का का हमन होएचना देबो खड़े। ये मा जनहित में एतना हानि है और भूपेश सरकार के महत्वकांक्षी योजना है उसमें गोठान खोलना है। सरपंच मन रोज आथे। गांव में पंच मन हमर पास आत हैं कि ददा कैसे करना है, पानी नई हे और सरपंच मन अपन क्षेत्र के हम छत्तीसगढ़ में गोठान खोलना हे और ओकर बार नुकसान है फसल दो रहिस अब कैसे पैदावार होही। माननीय मैं तो बोलता है कि कोलवाशरी नहीं खोलना है। यहां सब नुकसान हो रहा है, रोजगार भी हमन ला कुछ नहीं मिलना है। बतावा के मन के रोजगार दे हा सिवनी, बनारी के, बोड़सरा के कोई रोजगार नहीं मिलेवाला है सब वो ही बिहारी मन के रोजगार मिलही। यही गलती रमन सिंह करे रहिस, सब बिहारी लाकर बसा देहिस ओकरे कारण भूपेश बघेल कका ला लाए हौं। भूपेश बघेल कका ला कहना चाहत हौं कि सब बिहारी मन ला भगाए तभी छत्तीसगढ़िया के उद्धार होही। अब मैं ज्यादा बोलना नहीं चाहत हौं और भी बड़े बड़े बाहर के आदमी मन आए हैं सब ला मौका मिलना चाही। और प्रदूषण भी खराब हो रहा है। और भी बहुत सारा मुद्दा है जेकर छोड़ मैं विरोध कराना चाहत हौं। कोलवाशरी के झन खोल ददा, रमन सिंह में सब का अपन गांव अपन ससुराल मा ले जाए हमला ये छत्तीसगढ़ में नई चाही। मैं एतके बोलना चाहत हौं। बोलिए भारतमाता की जय। छत्तीसगढ़ महतारी की जय और कन्हईबंद की जय।

72. **श्री संजय कुमार राठौर, ग्राम—कन्हईबंद** :— कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। क्योंकि यहां पालुशन बढ़ेगा। इसलिए कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।

73. **श्री महेश शुक्ला, ग्राम—हरदी महामाया, स्वतंत्र पत्रकार** :— मैं स्वतंत्र पत्रकार हूँ आर.टी.आई. कार्यकर्ता हूँ। मैं अभी पिछले साल से इनके पीछे लगा हूँ रोज समाचार चलाता हूँ आर.टी.आई. में पूरी हिस्ट्री निकाला हूँ। मिश्रा जी बैठे होंगे, पर्यावरण संरक्षण विभाग, आए है क्या मिश्रा जी? मिश्रा जी पहचान रहे हैं क्या किए शिकायत में, आप बेवकूफ बनाते हैं लोगों को। एक पत्रकार को बेवकूफ बनाते हैं तो ये गांव वाले तो भोले-भाले हैं बेचारे। मेरे को जावलपुर में ट्रक चढ़ा दिये थे। मैं जा रहा था एक गाडी आई सीधा मेरे उपर चढ़ा दी और मैं फेंका गया। मेरी हड्डी टूट गई, कालरबोन। मैंने शिकायत किया उस टाइम किसी प्रकार का कोई कार्यवाही नहीं हुई। टी.आई. बोलता है ये आया है भाराद्वाज आप

कलेक्टर से बात कर लें तो बताईए एक स्वतंत्र पत्रकार को बेवकूफ बना रहे हैं तो आप लोग भोले-भाले लोग हैं। रोज मर रहे हैं। हम विरोध करेंगे तो आप गुंडागर्दी करवायेंगे। क्या काम है कोयला पड़ा हुआ है सारी ट्रकें खड़ी हैं यहां से वहां तक कोई कचहरी के काम से आ रहा है तो कोई कॉलेज से काम से आ रहा है जा के देखिए स्थिति क्या है, क्या कार्यवाही किए हैं इसके उपर। चौरासी पेज का इंग्लिश में जानकारी दे दिये। ये वॉशरी की हमें आपत्ति दे रहे है। रिपोर्ट दे दिए हैं भेलाई में लेकिन एक परसेंट भी फालो नहीं कर रहा है वॉशरी। उपर से धमकी मिलता है मेरे को कि क्या कर लोगे। दबवा देंगे टेलरों में। ओव्हर लोड गाड़िया चल रही है एवीडेन्स रखा हूँ। कोई प्रकार के नियम का कोई फालो नहीं किया जाता है। वाटर का छिड़काव हो रहा है यहा से वहां तक कौन कहता है जवाब दीजिए कि क्या कार्यवाही की गई। भूख हड़ताल पर बैठेंगे। वासरी का विरोध करते हैं। खुलने नहीं देंगे। मैं दिल्ली जाऊंगा हम खुलने देंगे तो हमारी सारी बातों को स्वीकार करना होगा। वो बताए कौन-कौन सी मांगों को पूरा कर सकता है। धन्यवाद, जय छत्तीसगढ़, जय भारत।

74. **श्रीमती रत्ना सूर्यवंशी, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं महावीर कोल वॉशरी का विरोध करती हूँ।
75. **श्री रघुवंशमणी तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। इसके खुलने से गांव पूरा बर्बाद हो जायेगा। गांव में रहने के लायक जगह नहीं बचेगा। इसलिए पुरजोर विरोध करता हूँ।
76. **श्री अनिल कुमार, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
77. **श्री राम बिहारी पटेल, ग्राम-कन्हाईबंद** :- यहां हमारे कन्हाईबंद में आये दिन टेलर के चलते प्रदूषण प्लस यहां कोल वॉशरी के चलते कोयले से प्रदूषण फैलते जा रहा है। आये दिन एक्सीडेंट का संभावना है। आये दिन हो रहा है। मैं इस कोल वॉशरी लोकसुनवाई का विरोध करता हूँ। नहीं खुलना चाहिए।
78. **श्री सोनू राठौर, सरपंच प्रतिनिधि ग्राम-तेन्दूभाटा** :- मैं इस कोल वॉशरी का विरोध करने के लिए ग्राम तेन्दूभाटा सरपंच प्रतिनिधि पहुंचा हुआ था। मैं अधिकारियों से शायरी के माध्यम से पूछना चाहता हूँ। आपको कहना चाहता हूँ। महको तो ऐसा महको अधिकारियों फूलो को होश आ जाये, महको तो ऐसा महको अधिकारियों फूलो को होश आ जाये, और गरीब किसानो को इतना मत सताओ कि अधिकारियों कि इनको आक्रोश आ जाये। आक्रोश आ जाये। मैं आपसे कहना चाहता हूँ जिस समय आपने यहां कोल वॉशरी खोलने का सोच बनाई। तब किसानो को क्या कार्ययोजना बनने का वादा किया था। पर्यावरण प्रदूषण बचाने के लिए आपने कितना वृक्ष लगाया। मैं आपसे जानना चाहता हूँ

यहां पे गांव के जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, युवा साथी हमारे भाई-बहन हमारे बोल कर जा रहे है। लेकिन आप लोग कुछ जवाब नहीं दे पा रहे है। मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि जवाब कब आयेगा। मैं इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

79. श्री राहुल कुमार कश्यप, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं पूर्ण रूप से कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। यहां आये हुये जितने भी शासन प्रशासन के अधिकारी है। उनसे हाथ जोडकर अनुरोध है कि बच्चो के भविष्य को देखते हुए निर्णय ले।
80. श्री मनीष कुमार, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं अधिकतर देखता हूँ। सुबह रनिंग करने जाता हूँ। मुझे हमेशा डर लगा रहता है कि वाहन कही पिछे से टक्कर मार कर न निकल जाये। कोल वॉशरी का हमेशा विरोध करता हूँ। करता रहूंगा। मैं प्रशासन से निवेदन करता हूँ कि वाहन चलाने का जो तरीका है उसमें थोडा सा सुधार करें। क्योकि फिजिकल निकालना है मुझे काफी तकलीफ होती है। ए भी हमेशा देखा जाता है कि वाहन मेरे पिछे से निकल जाता है तो मुझे दिक्कत होती है तो मुझे प्लीज देखिए। प्रशासन इसका कुछ ध्यान दे और वाहन को नियमित रूप से चलाने की व्यवस्था करें। अभी फिजिकल होने वाला है पास हुआ हूँ। रोज रनिंग करता हूँ मुझे काफी दिक्कत होती है। उसको देखने का महान कृपा करें। धन्यवाद और इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
81. श्री प्रदीप कुमार, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ।
82. श्री शत्रुघन राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :- मैं इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। छोटे छोटे स्कूल में पढते है। आने जाने में बच्चो को परेशानी होता है।
83. श्री वासुदेव चित्रभान सिंह राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :- कोल वॉशरी से हुये अत्यधिक धुंआ और हानि जनित धुये के कारण स्वास्थ्य में हानि होने के कारण कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। mother is our land our mother is save us and we also aspect, because industries are not so much important for our performance but about of problem of and we should have take care of it our motto is to save it and that's why for our society for our village for our of earth we all should have it to take care thank you.
84. श्री एकता तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद :- आज हमारे समस्त ग्राम पंचायत कन्हाईबंद में पधारे समस्त अधिकारियों एवं आये सदस्य पत्रकारों और हमारे पंचायत प्रतिनिधियों का मैं हार्दिक अभिनंदन हमारे ग्राम की ओर से करती हूँ। पूर्व सरपंच एवं ग्राम के कुछ स्वार्थ व्यक्तियों के कारण आज हमें यहां इक्ठ्ठा होना पड़ा, महावीर कोल साइडिंग जो खुला है खुला रहने दो हमारे यहां कोल

वासरी नहीं लगने चाहिए। कोलवासरी के खुलने से वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि, पर्यावरण एवं अन्य प्रकार के बीमारी बिना बुलाये खडे है। हमारे गांव समस्त ग्राम पंचायतो से मैं विरोध करती हूँ।

85. **श्री मनीष कुमार राठौर, ग्राम—कन्हाईबंद** :— जिस दिन ये गांव में ये महावीर कोल वाशरी का आगमन हुआ तो वहां पे बोला गया था कि सिर्फ यहां पे कोयला के लोड अनलोड का कार्यक्रम चलेगा। आज के डेट में इतना सारा लोड अनलोड हो रहा है, इतना सारा जमीन को प्रदूषित किया जा रहा है और उसके उपर में कोल वासरी लगवाना चाह रहे हैं यह लोग। ये कोलवासरी का मैं पूरा निंदा करता हूं। और पूरा गांव की तरफ से निंदा करता हूं। इससे लग जाने से हमारे गांव में अनेक प्रकार की क्षति होगी, गांव में प्राकृति संसाधन जल हो जमीन हो मृदा हो पर्यावरण हो हर प्रकार से प्रदूषण होगा। हमारे गांव में अभी तक के किसी भी प्रकार के रोगी नहीं हैं। आने वाले दिन में पूरे गांव में अनेक प्रकार का रोग फैल जाएगा। कोल वाशरी के लगने से मैं जान रहा हूँ कोलवाशरी लगने से महावीर कोल वाशरी को फायदा होगा। लेकिन हमारे गांव को इसमें कोई फायदा नहीं है। हम नहीं चाहते है कि कोलवाशरी यहां पर लगे और हमको किसी प्रकार का नुकसान हो। मैं कड़ी शब्दों में कोलवाशरी लगने का निंदा करता हूँ और मैं चाहता हूँ कि कोलवाशरी इस गांव में न लगे।
86. **श्री अजय कुमार राठौर, ग्राम—सिवनी** :— मैं डीजल मैकेनिक हूँ मैं जो है महावीर कोल वासरी का डीजल मैकेनिक का काम किया हूँ उसका पेमेंट मुझको नहीं मिल पाया है महावीर कोल वासरी मतलब मेरे को घुमा रहा है मैं महावीर कोल वासरी का विरोध करना चाह रहा हूँ। मेरा नाम अजय कुमार राठौर है मैं कुली गांव में रहता हूँ मेरा जो है पैसा भी बचा हुआ है पंप और नोजल का वर्किंग किया था मैं इसका जो बयासी हजार दो सौ रुपये का पेमेंट पड़ा हुआ है। इसके लिए मुझे भेलाई भेजा जा रहा है और यहां भेजा जा रहा है भेलाई भी जा चुका हूँ और यहां कोलवासरी भी जा चुका हूँ और मेरा कुछ किया जाए। यहां कोलवाशरी खोलने का पूर्णतः विरोध करता हूँ।
87. **श्री साहेबलाल सूर्यवंशी, ग्राम—कन्हाईबंद** :— मैं कोल वासरी के विरुद्ध अपना शिकायत करना चाहता हूँ इनके आस-पास मेरी जमीन है पांच सौ बयालिस बटे तीन जो पिछले तीन साल साल से इसमें धान का पैदावार नहीं हो पा रहा है। यहां पर क्षेत्रीय अधिकारी, पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारी उपस्थित हो तो मैं उनसे सवाल करना चाहूंगा। मैंने अनेकों आवेदन आपके साथ प्रस्तुत किया है परंतु आपको इतना भी समय नहीं है कि आकर के मेरा जमीन का निरीक्षण करके देख लें कि वास्तव में मेरा नुकसान हुआ है कि नहीं। आपने जरूरी नहीं समझा। मुझे तीन साल से उस जमीन पर एक भी धान नहीं हो पा रहा है।

सत्य बात बोलते हैं कि हमने दस फीट जमीन छोड़ा है आने जाने के लिए। मैं बोलना चाहूंगा कि जो करके देखिए खेती किसानों के लिए ट्रैक्टर, हारवेस्टर इस जमीन से जाएगा या नहीं जायेगा। मैं ट्रैक्टर हारवेस्टर को उठा करके तो एक खेत से दूसरे खेत नहीं ले जा सकता। आप वहां मौका में जा कर तो देखें। मैंने अनेकों आवेदन अभी तक किये हैं, मैंने 25 फरवरी 2021 को पर्यावरण जल एवं वायु प्रदूषण के विरुद्ध में नोटिस दिया था उसका आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुआ है। महावीर कोल वासरी के विरुद्ध आपको परिवाद दायर करना चाहिए था परन्तु आपने नहीं किया इसलिए मुझे विवश होकर मुझे 14 अगस्त 2021 को महावीर कोल वासरी के विरुद्ध अपराधिक मामला दर्ज करना पड़ा, जो आपको करना चाहिए था। बस धन्यवाद।

88. **श्री उमेश कुमार राठौर, ग्राम-कन्हारबंद :-** आज इस जन सुनवाई के अवसर पर बीच-बीच में हमारे मित्रगण यहां तक मुझे भी साढ़े दस बजे से जन सुनवाई प्रारंभ होना है अभी भी इसका समापन समय कौन सा है। छोटी सी बात को आप बताते नहीं हैं ये तो गलत बात है। और मैं ये चाहता हूं कि जो वो लोग हैं वो कह लें तब हमारे विभाग के लोग समापन करेंगे। अभी भी आपके पास समय है आप चाहें तो बता सकते हैं कितना समय हमारे पास है। क्योंकि जो बैठे हैं सात आठ लोग सभी का ऐसा होता है गांव में कि हम लास्ट में बात करेंगे। उसको भी अवसर दिया जाए और समय बताया जाए ताकि वो अपना बात रख सके। मैं उमेश कुमार राठौर पिता स्व. श्री नरोत्तम प्रसाद राठौर ग्राम कन्हारबंद को मैं नागरिक हूं। हमारा जमीन महावीर कोल वासरी प्रा0 लि0 द्वारा कोल साईडिंग के लिए खरीदी गई। कोल साईडिंग खरीदी करने के बाद उन्होंने कोल साईडिंग का निर्माण किया। वर्तमान में उनका कोल साईडिंग संचालित है। कभी एक जमीन खरीदते समय, कभी ये भी कहा गया कि इस जमीन को खरीद कर हम कोल वासरी बनाएंगे। जिस जमीन में वो कोल वासरी बनाना चाहते हैं वो पूर्ण रूप से शासकीय जमीन है वो जमीन सत्रह एकड़ छब्बीस डिसमिल जमीन है जिसको कोल वासरी वाले कहते हैं कि हमने आपसे खरीदकर शासन से परिवर्तित कराकर गांव वाले को दे दिया है। उसी में प्रस्ताव क्यों नहीं करते हैं। इसका कारण यह है कि लगभग वह भाठा है उस भाठा का नाम भैरव भाठा है। चालीस एकड़ के आस-पास उस भूमि का क्षेत्रफल है। उसमें दो हजार तेरह में सुरेश कुमार गोयल के अध्यक्षता में ग्राम सभा आयोजित किया गया, उसी ग्राम सभा में वो 40 एकड़ जमीन का विकास के नाम से अलग-अलग प्रस्ताव दिया गया है। पांच एकड़ गौठान के लिए, पांच एकड़ चारागाह के लिए, पांच एकड़ खेल मैदान के लिए। जिस समय गौठान को उस समय डाले थे, आज वो सरकार बहुत बड़ी महत्वाकांक्षी योजना है उसके बारे में उस शब्द का समावेश पता नहीं कैसे हो गया। हम लोग के मुख से स्वतः लिखा उस दिन। आज उसी के क्रियान्वयन के लिए हम महावीर कोल वासरी के साईडिंग के विरोध में चक्का जाम किये थे। कुछ हमारे आगे थे उसे ऐसे ही प्रशासनिक अधिकारियों

द्वारा कुछ करके उसकी समापन करा दिया गया। उस समय भी बोले थे समक्ष अधिकारी के सामने उस समय तहसीलदार अतुल वैष्णव जी थे नया सीता शुक्ला मैडम थे और पुलिस अधिकारी भी वहा पर मौजूद थे। सबके सामने बोला गया है कि जब तक विभागीय अनुमती नहीं मिलेगी और जो सत्रह एकड़ छब्बीस डिसमिल जमीन उसका आप लोग अभी नहीं कर रहे महावीर कोल वासरी यहां नहीं खोलेगा। लेकिन मैं लिखकर दीजिए जब तक ग्राम पंचायत कन्हईबंद का N.O.C. जारी नहीं होता तो हम नहीं देंगे। और सबके मोबाईल पर भी है और विभागीय अधिकारी अपना वाट्सअप नं दे सकते हैं। मैं जन सुनवाई से कोई संबंध नहीं है। ये साईडिंग है और साईडिंग के कार्यों से परेशानी हो रही है। उसके लिए चक्का जाम रखवाया गया था। महोदय चक्का जाम करना, अनशन करना या सभी लोगों को इकट्ठा करना, यह बहुत समस्या भरी बात है। अब देखिए सारे गांव में गोठान बना हुआ है गोठान के बगल में पांच एकड़ गोठान हो गया, पांचा एकड़ में चारागाह हो गया ऐसा लोकेशन वहां पर है लेकिन उस लोकेशन को कोई नहीं देखता कोई अधिकारी कोई कर्मचारी, कल बात करेंगे अकेले अकेले तो सिर्फ उसी का बात करते हैं। पर जहां महावीर कोल वासरी वाली बात आती है वहां पता नहीं क्या हो जाता है चुप रहते हैं। महोदय चक्का जाम को सभी को समझाने पर हमने समापन कर दिये और शाम को पानी गिर रहा था और ऐसे धमकाकर खत्म कर दिये कि क्या हो गया हम सम्मानजनक रूप से उसको खत्म कर लेते। महोदय गोठान के लिए जनपद पंचायत, मतलब दो दिन मनरेगा का काम हो गया था। आनन-फानन में संयुक्त कलेक्टर कोसम जी होते हैं उनके आदेश से काम को रूकवा दिया। जिस दिन काम चालू हुआ उस दिन आदेश नहीं हुआ था। उसके बाद हुआ झटके से रूकवा दिया गया ऐसा नहीं है बहुत मजबूर होने के बाद ही ग्रामीण वासी आते हैं। जो हो रहा है न्यायविरुद्ध हो रहा है जो हमको ये बता जाए कहां पर लगाया जाए। उसके बदले जो सत्रह एकड़ छब्बीस डिसमिल जो जमीन दी गई है वो इतना नीचे है इतना पानी में है। और क्यों हमको बाध्य किया जा रहा है, अच्छा जमीन में गांव का गोठान क्यों नहीं बन सकता, इसके लिए हमको क्या करना पड़ेगा। महोदय प्रस्तावित कोल वासरी से लगे हुए में प्राथमिक पाठशाला इसके 20-25 मीटर की दूरी पर है। अभी वर्तमान में सर नैला रेलवे साईडिंग में ट्रकों का आना जाना लगा रहता है। रेलवे साईडिंग के पहले डंपरों द्वारा जब यह कहा गया कि 12 बजे के बाद नो एंट्री कराना है तो आप देखेंगे वो नैला से यहां तक चक्का जाम की स्थिति रहती है। जब छोटे से साईडिंग में माल डालने से ये स्थिति है तो यहां पर कोल वासरी खोलने से क्या स्थिति होगी। आज पूरा ट्रक रोके हुए हैं क्योंकि यहां पर जन सुनवाई हो रही है ये जो पीछे में जमीन था वो चर्मगाह मवेशी को जो मरता है उसका उत्पादन किया जाता है जबरन मद परिवर्तन कराया गया। हम घुरवा बोलते हैं, गौठान घुरवा को भी बंद कर दिये यहां पर मुर्दा मवेशी का चीर-फाड़ होता था उसको भी बंद कर दिये। यहां पर प्रस्तावित कोल वासरी खोला जाना उसके आस-पास सिंचित कृषि भूमि बहुत

सारा है वो बहुत ज्यादा प्रभावित होगा। आपसे निवेदन है एवं सभी का मांग है कि जब भी इनको अनुमति मिलने की स्थिति होगी तो उस वक्त भारी विचार करेंगे। महोदय आज कुल 70 प्रतिशत आबादी कोविड-19 के शिकार बने हुए हैं मैं भी उस शिकार का हिस्सा हूँ किसी को आया किसी को नहीं आया। सब दवाई खाए हैं अधिकांश लोग जो बाहर – बाहर मरे हैं वो आक्सीजन की कमी से मरे हैं। आप यह बताइये कि वास्तव में आक्सीजन जरूरी है तो यहां कोल वासरी अगर खुलता है तो इस स्थिति के दौरान हमारे लिए संक्रमण के दौरान वैसे भी संक्रमित हो गया है। वो बढ़ेगा कि घटेगा। घूमने-फिरने की जगह नहीं है। जहां भी जाएंगे वहां धूल प्रदूषण माने यही है मुझे लगता है कि एकदम परफेक्ट जानकारी तो मुझे नहीं है पर हमारे यहां बहुत सारे तालाब हैं। एक जगह यहां है जहां सात तालाब एक ही जगह में जुड़ा है। कोल वासरी अगर प्रस्तावित की अनुमति की जाती है तो पूरा तालाब प्रभावित होगा। ग्रामीण जीवन है तालाब प्रभावित होगा तो लोग मरेंगे संक्रमित होंगे न पानी पायेंगे। नहाने पर भी संक्रमित होंगे। पानी भी हम लोग पीते हैं। ऐसा नहीं है दाल वगैरह बनाने के लिए पानी वहीं से आता है तो वो भी माने खराब होगा। मैं पुनः आप लोगों से निवेदन करता हूँ कि कुछ काम छुट गया है उसको बोल नहीं पाते हम लोग, उसको भी आप स्वविवेक से जोड़कर उस चीज को देखा जाए, और देखने के बाद निर्णय किया जाए। मैं आप लोगों से सादर यही निवेदन करता हूँ कि गांव हित में जनहित में पूरे आस-पास के पंचायतों में बनारी, सिवनी, बोडसरा, कन्हईबंद, जर्वे को आमंत्रित किया गया था मैं भी रेखांकित होना चाहिए था ऐसा नहीं है कि किसी जनप्रतिनिधि को आप बुलाकर उनका विरोध दर्ज करने पर्यावरण की अनुमति देंगे तो ये नाइंसाफी होगा। धन्यवाद

89. **श्री श्याम लाल राठौर, ग्राम-कन्हईबंद** :- मोर पिताजी के नाम है लक्ष्मी प्रसाद राठौर आउ हमन के प्रस्ताव है कोल वासरी जब भी प्रस्ताव होए है 2012 मा गौठान आउ खेल मैदान के लिए प्रस्ताव हो गईस ओला प्रस्ताव हो गईस हे फिर पुराना प्रस्ताव देके पूर्व पंचमन सरपंच मन रद्द करे हे। ओकर से सख्त से सख्त कार्यवाही होना चाहिए। जेहर पहिले से प्रस्ताव हो चुके है 2012 में ओकर फिर से प्रस्ताव करा कर का मिलही कोल वासरी का। आउ कोलवासरी के लगभग 30-40 मीटर बाद हमर जमीन है जब हम धान उपजाथन ओकर मे हमन के नहर के पानी हमेशा बहत रहिस ओहर पूरा सबूत है कोल वासरी बने से एक बूंद भी पानी नहीं जाए कोल वासरी बने से हमर छोटे-छोटे बाल बच्चा हे ओमन काय खाही अउ का पहनही अउ कहां जाही ओकर कोई अतापता नई हे। हम एतका दुखी हन के हमर धान-पान बिल्कुल जारा सा भी नहीं होत हे तेकरो भूखे मरे के स्थिति आ गए हे। ओकर में निवेदन करथौं कि 2012 में जो प्रस्ताव हुए हे गौठान के लिए, खेल मैदान के लिए, हमारे गांव में रोजगार, खेल, आवास के लिए ओला वापस दिया जाए। जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

खेत म जरा से भी पानी नई जावत हे। भुखमरी के स्थिति म आ गे हन समझो। धान-पान बिल्कुल नई होवत हे। ओखर काला पानी जावत हे हमर खेत म। डस्ट जात हे। जेमा हमन बहुत आत्महत्या करे के स्थिति म आ गे हन। भूख मरे के स्थिति म आ गे हे। जो 2012 में प्रस्ताव दे गइस हे फिर से प्रस्ताव दिये गए है जेकर मैं सख्त से सख्त विरोध करत हौं। ओमा सख्त से सख्त आदेश दिया जाये। कार्यवाही अउ जांच हो जाये। ये अवैध हवय। ग्राम संभा पंचायत मा ओमा प्रस्ताव मा तहसीलदार, एसडीएम मैडम भी आये रहिस हे। सामने मा अधिकारी आये रहिस हे ओखर सामने मा प्रस्ताव होईस हे। जे मन इमला प्रस्ताव दिये कोल वॉशरी बर वो हा 2012 मा प्रस्ताव हो चुके हे। गौठान के लिए। बिल्कुल कोल वॉशरी नहीं खुलने दिया जाये। हमर ग्रामवासी के कहना है कि कोल वॉशरी बिल्कुल खुलने नहीं दिया जाये। और 50 एकड़ के प्लाट हवय कोल वॉशरी खुलत हे ऐखर बगल मा। ओमा धान होही। ना ओमा कुछ होही। हमन रवि फसल बोथन ओमा। गर्मी फसल के तो पता ही नहीं चलथे। पूरा बंद कर दिये हे। सडक के पानी ला नहीं जाने देवत हे ओखर दो भाग कर दिये हे। ऐ पार भी जमीन हे ओ पार भी जमीन हे। ओखर बीच ले बंद कर दे हे। अर्थात् बनारी से कन्हाईबंद पहुंच मार्ग रहिस हे ओला भी बंद कर दीस हे। कोल वॉशरी के द्वारा आत जात हे किसान मन तो रोड ला गड्डा कर दिस हे। कांटा हे खुटी हे गड्डा हे पत्थरा हे ओमा आदमी गिर जाथे बोजा जा थे गरवा आत जात हे तो गरवा गिर जा थे। मर जाथे 3-4 ठीक मर गये हे। 3-4 इन के हाथ पैर टूट गये हे। ऐखर लिए मैं अनुरोध करथव। महावीर कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। अपन खोलये अपन जमीन बिसाये हे। ओमा खोलय। ये ग्राम पंचायत के जमीन मा इन खोलय। हमर गांव में कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। खुलना नहीं चाहिए। खुलना नहीं चाहिए।

90. **श्रीमती सुमित्रा कश्यप, ग्राम-कन्हाईबंद :-** मोर आंखी धूल मा ऐ होवत हे। खराब हो गये हे आंखा हा। कोल वॉशरी बंद करो। मोर अम्मा के कोल वासरी के दौरान कई प्रकार के माने आज भी मेरे पास फाईल है। फाईल के दौरान कोलवासरी के धूल के कारण मैं भी स्वास्थ्य प्रभावित होने जा रहा है इस कारण मेरा फाईल को देखा जाये। और धूल मिट्टी जो आ रहा है। इसको बंद किया जाये। मेरा यही निवेदन है। धन्यवाद
91. **श्री चित्रभान सिंह राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :-** मैं कोलवॉशरी खुलने का विरोध करता हूं क्योंकि पर्यावरण के दृष्टीकोण में यह खुलना उचित नहीं है। आज कोरोना महामारी के चलते हम लोग नहीं चाहते हुए भी मास्क लगा कर रहते हैं। सब लास्क लगाये हुये है। क्योंकि कोरोना न हो। आज अगर यहां महावीर कोल वॉशरी का निर्माण हो गया। ना चाहते हुए भी हमें मास्क लगाना पड़ेगा। क्योंकि पूरी पर्यावरण इतनी दूषित हो जाएगी। मैं इतना कहकर अपनी वाणी को विराम देता हूं। मैं कोल वासरी का विरोध करता हूं।

92. **श्री काशी प्रसाद राठौर, ग्राम—कन्हाईबंद :-** मैं 2012 से उस जमीन के वास्ते सारे गांव वालों से सहयोग से लड़ते आ रहे हैं। किसान के कब्जा को गांव वाले नहीं हटवा सके पर जब शासन को जरूरत पड़ा तो किसानों की जमीन को छीन कर हमने बेजा कब्जा को 2012 में प्रस्ताव किए थे गउ गोठान, तालाब, खेल मैदान एवं दीनदयाल आवास योजना के तहत वो जमीन को प्रस्तावित कराये। वो एमरजेंसी ग्राम सभा लाया गया उस समय भी आज के डेट में जैसे अल्टीमेटम दिए थे। उस जमीन के बारे में हमको गौ गोठान नहीं मिल रहा है। हमको खेल मैदान नहीं मिल रहा है। ये स्थिति 2012 में भी आया था। हम लोग 2012 में चक्का जाम का अल्टीमेटम दिये थे। हमारे एस.डी.एम. महोदय आये बोले इमरजेंसी ग्राम सभा लगाओ। इमरजेंसी ग्रामसभा कराने के बाद वो जमीन तालाब के लिए, गौ चारा के लिए, दीन दयाल आवास योजना के लिए, खेल मैदान के लिए प्रस्तावित किया गया। वो प्रस्ताव 2012 में होने के बाद उसी जमीन को उस समय वो किसानों के बेजा कब्जा में था। जब शासन को जरूरत पड़ा। शासन जैसा भी करे गुंडागर्दी करे। वो जमीन किसानो से छीन लिया गया। किसानों से छीनने के बाद वो रेल्वे साइडिंग के लिए दिया गया। इसका घोर विरोध शुरू से करते आ रहे हैं आज भी कर रहे हैं कल भी उसी के वास्ते हमारा चक्का जाम था कार्यक्रम था, कार्यक्रम को जैसे तैसे आके हमारे अधिकारी निपटाए। वो भी निपटने के लायक नहीं था हमारी मजबूरी है। प्रशासन से हमको डर है हमको भय है। हम अगर कुछ करते हैं तो हमारे लिए प्रशासन डंडा लेकर खड़ा हो जाते हैं। हम कुछ भी करते हैं तो प्रशासन डंडा लेकर खड़ा हो जाता है। हम तीन साल से आवेदन देते देते थक गये। कहीं जगह नहीं बचा। एक पटवारी से लेकर तहसीलदार, एस.डी.एम., कलेक्टर, मुख्यमंत्री, सांसद महोदय जितने हमारे जनप्रतिनिधि हैं, विधायक महोदय, और पूर्व विधायक महोदय सबको दिये लेकिन आज तक हमें कोई भी प्रकार का डिसाईड नहीं दिया गया। और आज गउ माता घर में बंधी हुई है। इतना प्रताड़ित है घर में देखते हैं। मां कहती है इतना तकलीफ होता है कि गउ को खड़ा होने की जगह नहीं मिलती। हमारे गांव का 700 एकड़ जमीन में से 350 एकड़ जमीन चाहे मड़वा हो चाहे महावीर कोल वासरी हो चाहे किसी अन्य को पट्टा देने से पूरा गरीब खाली हो गया है हमारे पास आप रख रहे हैं पंडाल के लिए जगह नहीं है। दुर्गा बिठाने के लिए जगह नहीं है, गणेश बिठाने की जगह नहीं पर फेक्ट्री के लिए जगह है। और फेक्ट्री के लिए हर अधिकारी आते हैं। समर्थन नहीं दे रहे हैं हमारा कोई बात सुनने वाले नहीं है। 2012 से आज तक हम लोगों को नहीं मिला जमीन हमसे छीनकर ले गये। आज तक हम लोग जमीन का इंतजार करते रहे हैं। हमारा गौ बांधा जाये। हमारी गौ माता को वहां पर बांधा जाये। वो व्यवस्था भी छीन लिये। मड़वा प्लांट के पास हमारा 37 एकड़ जमीन है। वो जमीन में 7 एकड़ में तालाब है। टोटल जमीन में कोल वॉशरी और कुल जमीन में मड़वा। टोटल जमीन छीन लिया गया जिसमे 37 एकड़ जमीन था। वो टोटल जमीन में मड़वा व आपके महावीर कोल वॉशरी, या महावीर साइडिंग है। उसमें

प्रभावित हो गया। पहले हमको कोई भी जानकारी नहीं मिलता। काम होने के बाद जानकारी होता है। या पहले पटवारी से पूछे हमारा कितना जमीन है हमारा तो इसमें तुम्हारा कोई जमीन नहीं है 37 एकड़ में से कोई जमीन नहीं है। तो हम जाये तो जाये कहां। बहुत विकट परिस्थिति में हमारे ग्रामवासी एवं हमारे जानवर जो है गौ माताये है। परिस्थिति इतना खराब है घर में जाते है तो गईया बा बा करती है। इस रास्ते में चलेंगे तो 100 गईया बंधी रहती है। या खुला रहता है तो किसानों के फसल को नुकसान पहुंचाता है। क्योंकि जगह नहीं है जाये तो जाये कहां बार-बार गाड़ी चल रहा है। ये परिस्थिति है कि हमारे गौ माता के खड़े होने के लिए जगह नहीं है। इस सरकार की जो योजना है नरुवा, घुरुवा, गरुवा आउ बारी हमारे यहां न घुरुवा है न गरुवा है न बारी है। किसी का कोई पता नहीं। सभी जगह अधिग्रहण हो गया है। अब हम करे तो करे क्या चक्का जाम करे तो हमारी कोई सुनता ही नहीं है। आवेदन देते है आवेदन करते है। तो कोई सुनता नहीं है। किसी के पास जाओगे तो कोई सुनवाई नहीं है। हा हा कर देते है। ना हमारे जनप्रतिनिधि सुन रहे हैं ना हमारे आला अधिकारी सुन रहे हैं। हम करे तो करे क्या। कितना परिस्थिति खराब है हमारी कितने परिस्थिति से गुजर रहे है गांव में हमारे। कितनी छोटी सी राजस्व है हमारे यहां पे 700 एकड़ का रकबा है हमारे यहां पे 700 एकड़ में से 350 एकड़ चला गया। कुछ जमीन मडवा में चला गया, कुछ जमीन अभी 17, 5 एकड़ में जो 22 एकड़ जमीन उनके रिकार्ड में है। लेकिन हमारे हिसाब में 37 एकड़ जमीन है। 55/1 में ओ जमीन आज के रिकार्ड में अभी वर्तमान में पटवारी महोदय से पूछेंगे इसमें पंचायत का कोई जमीन नहीं है। ये टोटल जमीन महावीर कोल वॉशरी की है। इसके बदले में ट्रांसफर आपको दिया जायेगा। वो ट्रांसफर ऐसी जगह में कर रहे है। जो मडवा का है। इधर है रेलवे साईडिंग का बाउण्ड्री अब उसी बीच में हमको मिल रहा है हमको जमीन इसका जाने का भी कोई रास्ता नहीं हैं खेत जो है उबड़ खाबड़ है। हमारे राजस्व की जमीन एक समतल जमीन को लेकर के 27 टुकड़ा में जमीन मिल रहा है। कहीं उबड़ कहीं खाबड़ कहीं गईया चारा देख के चढ़ेगी। उसके से गिरेगी हाथ पैर टूट जायेगा। अपने गांव की स्थिति तो ये है। अब रहा सवाल कोल वॉशरी का कोल वॉशरी खुलने से वहां जो हमारा जमीन 350 एकड़ है। जीवन यापन कर रहे है। वहां के धान को देखिये हरा कलर का है जो काला पड़ गया है। उस धान का बीज जो है। उसमें से जो चावल है। उसको हम खायेंगे। उसका क्या परिणाम होगा। आप सब सम्मानीय लोग हैं। हम ही बेंचेंगे धान आप खरीदेंगे फिर उस चावल को आप का क्या होगा। ये कन्हईबंद के प्रभावित जमीन के फसल को आप लोग को खरीदना पड़ेगा। कोल वासरी का जो आयोजन है वर्तमान में इससे आपके पर्यावरण को इतना नुकसान है, ध्वनिप्रदूषण है, यहां बच्चे, 5 साल से 10 साल के बच्चे यहां रोड़ पीछे से है। किस किस को देखेंगे। ठीक है उस जमीन के बदले में दूसरा जमीन दे रहे हैं ठी है गउ माता के लिए ठीक है। पर बच्चे कहां पढ़ेंगे यहां से ट्रक गुजरेगा, बच्चे सुन नहीं पाएंगे। हम बोलेंगे दूसरा बच्चे सुनेंगे

दूसरा। पास में तालाब है गांव के रहने वाले तालाब में ही नहाते हैं। घर में नहाने वाले 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत लोग हैं जो घर में नहाते हैं जिस हिसाब से गाड़ी चल रहा है उस हिसाब से सुबह जायेंगे नहाने तो पूरा धूल जमा रहेगा जब 200 ट्रेलर चल रहा है तब 400 ट्रेलर चलेगा तब उस दौरान हम क्या करेंगे। उस तालाब में हम मछली पालन करते हैं वो मछली भी बीमार पड़ेगा, और वहा नहायेंगे वो भी बीमार पड़ेंगे। सैकड़ों जीव जन्तु तालाब में हैं जिनको प्रदूषण का असर पड़ेगा। ज्यादा नहीं 250 – 300 एकड़ जमीन में खेती होता है और इसी कोल वासरी के आस पास हमारा जमीन बचा है वहां धान का क्या स्थिति होगा। हमें घर के पेड़ पौधे काले हो जा रहे हैं। घर के लैंटर को रोज साफ करो। और इससे हम बहुत परेशान हैं। जितने छोटे-छोटे पौधे हैं वो बढ़ नहीं रहा है। हमारे यहा न फसल हो रहा है, न पौधा हो रहा है, सभी को नुकसान है। कौहा का पेड़ है 5 साल तैयार नहीं हो रहा है। वो आयुवेदिक है। जल, वायु प्रदूषण में भी यहां बहुत छोटे-छोटे पहाड़ हैं सब बर्बाद हो जायेंगे। मैं आपसे निवेदन करता हूं ऐसा कार्य आप मत करिए। आप भी समझदार हैं। धन्यवाद

93. **श्रीमती समत बाई कश्यप, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं कोल वॉशरी ला विरोध करत हव।
94. **श्रीमती रमाबाई, ग्राम-कन्हाईबंद** :- मैं कोल वॉशरी ला विरोध करत हव।
95. **श्री दादूराम यादव, ग्राम-कन्हाईबंद** :- तो बात कोल वॉशरी की होये हे। हमर माननीय महोदय कहीन हे। बैठे हे कह देवा। हम सब पुलिसकर्ता जो सिपाही गढ़ हे 200-300 तेन मन बैठे हे एक जगह मा। सुनत हे हमन के वाणी ला तो महावीर जो कोल वॉशरी शुरू से स्थापित करे हे। तो क्या ये पर्यावरण ला जतका बिलासपुर से आये हे। हमन ले दू शब्द के प्रयोग करिस हे तो पर्यावरण के कार्य योजना बारे मा समझाईस हे तो पर्यावरण हमर यहां ये मतलब कहां रोड मा न तो पेड़ हे न पौधा हे कुछु नहीं हे पर्यावरण मा। पर्यावरण का क्या मतलब होता है। दूसर बात कोल वॉशरी के जो जमीन ला लिये रहिस हे। जमीन लिये हे ठीक करीस हे। सब ठीक हो गये हे। लेके अपन काम करिस हे सब ठीक करिस हे। वादा करके मुकरना भी आदमी ला दुख पहुचते। मानव जीवन जिये हन हमन चार दिन के जिंदगी हे और पर चार दिन के हे। भाई जवान हन बुढापा आही। बंदर बनीहा। बैला बनीहा। अरे जवानी चालीस साल के हे तो महावीर कोल वॉशरी आज लोक सुनवाई में 18 तारीख किये गये हे ऐमा दिखावा करबो। एक समस्या है। वोला हम जानबो हल कहां करहे बर आए हो। पहली गलती आप के गांव मा तीन जमीन खरीदा लेकिन वादा से पीछे रहना तो तुमन जो महावीर कोल वॉशरी हा जो पैलगी करे रहिस आज फैसला करे गये हे सुनवाई करे जाये भाई तुमन। आज हमर कन्हाईबंद मा पहली बार

मा 20 साल हो गये। से सरपंच मन हा 20 साल मा पहली बार ऐसन काम होये हे। जो हमर गांव मा ऐ करा के। जो जन सुनवाई करे गे हे। तुमन बहुत बढिया रहिस हे। कन्हारिबंद मा पहली बार होये हे। तो हमन तुमन से यही प्रार्थना हे जो काम करे हे। लेकिन जो समस्या हे हर प्रकार के समस्या गांव मा हे। हाईवा चलत हे, न ब्रेकर बनाये हे तो ऐला तुमला समझदारी करना है। अगला आदमी आप मन करत हे कोल भी काम के तरीका जरीया से तो ये काम ल तुमन करके अच्छा गांव मा तुहन सेती रहन देवा। ऐकर खातिर हमन विरोध करे हन। विरोध के ऐसा बात नहीं आये रहिस जेखर काम ला तुमन करके दिखाओ। ये गांव के दलाल मन बिना तुहन पैसा दे दे के थक गे हव। ये महावीर कोल वॉशरी पैसा दे दे के गांव के मुखिया मन ला गांव के जो सरपंच, पंच के अधिकारी हे। तुमन प्रस्तावित पास करके दे हे। वो मन ला तुमन पैसा बांटे हव। अउ गांव के आदमी मन एकर हड़ताल करत हे। भूख हड़ताल करत हे। पहली गलती आपकी होगी। उसकी सजा तो आपको भोगनी पड़ेगी। इसलिए मै अपने यही पर वाणी को विराम देते हुए आप मन सब आए हव गांव के दाई दादा सब आये हव बैठे हव जय हिन्द, जय भारत।

96. **श्री सनत कुमार पटेल, ग्राम-कन्हारिबंद :-** आज के जन सुनवाई में आए हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन मैं यही कहूंगा कि पर्यावरण से ही हैं हम सबकी जान। शांतिग्राम में कन्हारिबंद की है पहचान, कोल वासरी ना खुले हम सबकी है अरमान। कोल वासी खुलने से जीना, हुआ मुश्किल, ना हो पाएगी धान, ना हो पाएगी धान। महोदया सभी अपना अपना समस्या बताया मैं भी समय को ध्यान में देते हुए बताना चाहूंगा कि हमारे डांगाचाक जहां 50 प्रतिशत किसान वहां खेती करते हैं। रेलवे साइडिंग, महावीर कोल वासरी का बन जाने के कारण 5 फीट का दीवाल बन गया है जहां किसानों को मुश्किल से जाने में परेशानी का सामाना हो है इस बात को हमने आपको अवगत करा चुके हैं। अब अपने अधिकारी, कर्मचारी को भेजकर निरीक्षण करवा सकते हैं कि कैसे वहां किसान लोग आना-जाना करते हैं। किसान लोग आना जाना कर रहे हैं कृषि कार्य कर रहे हैं। अभी से ये समस्या गांव वाले झेल रहे हैं और ना जाने अब भगवान ना करे वासरी मने हम सब विरोध कर रहे हैं। मैं विरोध कर रहा हूं पुरजोर विरोध कर रहा हूं। लेकिन जब तक ये सिर्फ रेल लाईन बन जाने से इतना परेशानी है साइडिंग का काम चलने से लोगों का जीना मुश्किल है तो आगे ना जाने क्या होगा। बच्चों लोग हर किसी का सपना होता है बच्चों का भविष्य सब चाहते हैं कि मैं पुलिस बनू, खेल में जाऊं। आज हमारा देश गौरवनीत हो रहा है कि मेडल मिला है, कांस्य पदक मिला है और अनेकों प्रकार का पदक मिला है। हमारे बच्चे खेल के लिए तरस रहें हैं। जगह नहीं है। मैदान नहीं है। जगह के लिए बात करते हे। उस पर कोई कार्यवाही नहीं होती सुनवाई नहीं होती बडा दुख होता है कि हमारे होनहार बच्चे अपने भविष्य को लेकर क्या सोचेंगे क्या कहेंगे। इस बात को भी अवगत कराया जा चुका है। भरीखार के संबंध में बताया

गया था। उच्च अधिकारी कुछ बताते हैं। कोल वासरी वाले कुछ बताते हैं वास्तव में आज भी सिंचाई नहीं हो रही है। उपर वाले के कृपा से बारिस हो रही है। ठीक ठाक है। जब बारिस नहीं होगी तो सारा फसल मर जायेगा। एक भी फसल किसानों को कुछ नहीं मिल पाएगा। आप जहां पर बैठे हैं वह एक स्कूल है बगल में रोड है ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण सब प्रकार का प्रदूषण होगा। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होगा। और मैं एक बात और कहना चाहूंगा। कि हम सब बैठे थे तो कोई यहां से उपस्थिति का हस्ताक्षर करा रहे थे। ऐसा हस्ताक्षर करवाया जाना उचित नहीं है। इसको अधिकारी महोदय संज्ञान में लेकर के ध्यान रखेंगे। हमारा डब्ल्यू.एम.एम. का रास्ता रेलवे साइडिंग वाले अधिग्रहित कर लिए हैं ऐसे तमाम परेशानी हैं। सब अपना-अपना व्यक्त कर चुके हैं। मैं भी सब परेशानी से अवगत हूं। और यही कहूंगा कि किसी भी शर्त में कोल वासरी नहीं बनना चाहिए।

97. **श्री राम नारायण राठौर, ग्राम-कन्हाईबंद :-** यहां पर हमारे जो भी ग्रामवासी हैं उन्हें समस्याओं को अपने हिसाब से पूरे जोरशोर से रखा है। बाहर से हमारे सिवनी के सरपंच, पाली के सरपंच, बनारी के सरपंच और आस-पास से तेंदूभाठा जिला पंचायत सदस्य सभी ने इस ओर होने का विरोध किया है। हमारे गांव के भी मैं तो देखा हूँ कि 90 प्रतिशत चाह रहे हैं कि कोल वासरी ना खुले। उसके बाद भी अगर कोल वासरी खोला जाता है शासन के द्वारा या अनुमति दिया जाता है तो इस गांव के लिए बहुत दुर्भाग्य की बात है। इतना जोर शोर से हमारे गांव वासियों ने साथ दिया विरोध किया। अगर आप आज कोल वासरी का अनुमति अगर शासन द्वारा दिया जाता है तो आगामी ये गांव वाले चुप नहीं रहेंगे। इसके लिए जहां जाना पड़ेगा हम जायेंगे। लड़ाई लड़ेंगे। मगर पीछे नहीं हटेंगे। मैं इस मंच के माध्यम से कहता हूँ जब यहां कोल वासरी यहां लाकर अवैध आदमी को घुसाया था और जो फार्म यहां जमा करवाया जा रहा है उस फार्म को यहीं पर निरस्त किया जाए। और मेरे सामने किया जाए निरस्त उसको। उनके द्वारा जितना भी हथकंडा अपनाया जा रहा है हम उनसे डरने वाले नहीं हैं और न डरेंगे। मैं जान रहा हूँ जितने भी हमारे यहां विरोध किये हैं। सभी परेशानी से यहां बाहर से आये हुये हैं। वो सब को जानकारी हो चुका है। गांव में क्या-क्या परेशानियां हैं। तालाब दूषित होगा, पर्यावरण दूषित होगा, बच्चों का भविष्य अंधकार में है ये सब अभी के नहीं है। ये सब से आप सहमत हैं। ये जो कोल वासरी खोला जा रहा है। इसका मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ। इस मंच से भी मैं यह कहना चाह रहा हूँ। आज की जो कार्यवाही यहां जनसुनवाई की हो रही है वो समस्त कार्यवाही की जानकारी लेटर हमको कहां मिलेगी। हमको जानकारी प्रदान किया जाए। जो अधिकारीगण यहां पर आए हैं वो हमको बताएं जो आज का कार्यवाही हो रहा है, फार्म जमा हो रहा है उसकी नकल हमको किसके माध्यम से मिलेगी कहां से मिलेगी इसकी जानकारी प्रदान

करने की कृपा करें। इतना कह कर मैं अपना वाणी विराम देता हूं और महावीर कोल वासरी खुलने का पूरा विरोध करता हूं।

98. **श्री प्रभाकर तिवारी, ग्राम-कन्हाईबंद** :- महावीर कोल वॉशरी की स्थापना के लिए गांव के जो ग्रामीण लोग आवेदन दिये है। गौचर, भूमि, सिंचाई इस प्रकार की समस्या उत्पन्न होगी। उस समस्याओं के विषय में किसी कर्मचारी द्वारा उसके निराकरण के लिए नहीं किया गया। तो भी स्थापना के होने से 50 एकड़ खेत जो अंसिचित होगा गांव के गउ गोठान और चराई की व्यवस्था नहीं है। पूरे ब्लॉक में सभी जगह चारागाह की व्यवस्था है परन्तु हमारे गांव में चारे की व्यवस्था नहीं है। मावेशी रखने की व्यवस्था नहीं है। इन व्यवस्थाओं को प्रभावित होगा। इन व्यवस्थाओं की समस्या का आज तक समाधान नहीं हो पा रहा है। बाकी गांव के जो ग्रामीण हैं वो सब अपनी मांग रखे हैं लेकिन कुछ अधिकारियों द्वारा ऐसे गांवों की मूलभूत समस्याओं को सुनने के लिए समय नहीं रहा। उस समस्या के लिए गांव के लोगों के द्वारा 4-5 वर्षों से अपना निरंतर मांग रखते हैं लेकिन आज तक कोई पहल नहीं हुआ। इससे हमारे गांव के मवेशियों के लिए घूमने-फिरने के लिए इस सब व्यवस्था प्रभावित होगा। उस पर आप लोगों को गांव के मांगों के साथ उन पर चर्चा करते हुए निर्णय सुनाये। यही चाहता हूं। आज गांव की मूलभूत समस्या जितनी है। क्यों दूर नहीं हो पा रहा है। इस पर ध्यान दिया जाये, इस समस्या पर ध्यान दिया जाना चाहिए गांव वासियों की तकलीफ को देखते हुए मेरा सुझाव यही है। धन्यवाद
99. **श्री भागीरथी उजीर, ग्राम-कन्हाईबंद** :- आज दिनांक 18.08.2021 को जन सुनवाई में आए हुए समस्त अधिकारी, सक्षम अधिकारी, सैनिक बल, पुलिस बल, पत्रकार बंधु तथा कोल वासरी से आए हुए अधिकारी एवं कर्मचारीगण। कन्हाईबंद में जो कोल साइडिंग तैयार था। जहां जमीन लिया गया था वो कोल साइडिंग के लिए लिया गया था और धीरे-धीरे उसकी रूप रेखा कोल वॉशरी तक पहुंच गया और कोल वासरी में आप सब जानते हैं कि कोल वासरी में हित अनाहित पशु पक्षी आना है। आप सब जानते हैं कोल वॉशरी लगने से क्या नुकसान होगा क्या फायदा होगा। अब ये तो जमीन देना है कि नहीं देना है यह तो शासन के उपर निर्भर करता है लेकिन यहां पर जो प्रस्ताव गया है ग्राम पंचायत का और ग्रामसभा का वो पूरा फाल्स है। कोई भी पंच का उसमें साइन नहीं है। न उसकी जानकारी है जबकि सूचना को पोर्टल में केवल घूमाया जाता है। लिखा जाता है कि अमूक विषय में बैठक कही नहीं किया गया है। और रिकार्ड में पूर्व समय से उसको पारित कर दिया गया है। जिसे आपके शासन में मानकर कोल वॉशरी के जमीन को सुधार दिया है। आज जो जन सुनवाई का कार्यक्रम हो रहा है मुझे लगता है कि ये औपचारिकता है क्योंकि कल जो धरना में बैठे थे तो आपके कोई अधिकारी हमको ऐसे बोल रहे थे कि अरे बंद करो यहां से जाओ नहीं तो अंदर कर देंगे। एफ.आई.आर. दर्ज हो जायेगा। आपसे

मांगा जा रहा कि लिख के दो कि जब तक निर्णय नहीं हो जाता। आप जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे। कोई कार्य नहीं करेंगे। मेरे हिसाब से ये जो जमीन दिया जा रहा है कोल वॉशरी साइडिंग के लिए उचित नहीं है। वो साइडिंग ठीक है। यदि दिया भी जाता है तो मेरी यह मांग है कि स्कूल को मॉडल स्कूल बनाया जाए कोल वासरी की तरफ से। दूसरा पानी टंकी एवं टेप नल की व्यवस्था किया जाए। गांव में जाकर देखेंगे कि इतना बड़ा कोल वॉशरी लगा है। पानी की निकासी व टेपनल की व्यवस्था किया जाए। सरकारी व्यवस्था स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए हास्पिटल खोला जाए। हमारा गांव माल गुजार का गांव था ये गांव में कहीं भी मंच की व्यवस्था नहीं है। दुर्गा पण्डाल को मरघटी में लगाया जायेगा या ऐसी लगाया जायेगा। नवधा रामायण होता है। कोल वासरी से इस गांव को तीन मंच की व्यवस्था है जो हमारा तीन जगह है। उसे 03 मंच बना कर दे। खरीद कर। जमीन के बदले जमीन देने का बात हुआ था लेकिन वो जमीन हमको नहीं मिला। यहा मरी हे मवेशी काटा जाता है उसका भी प्रस्ताव हमको नहीं दिया जाता है। उसका भी जमीन प्रस्ताव में दिया गया था लेकिन हकमो नहीं मिला है। मैं चाहता हूं कि हमारे गांव में जो तीन मंच है उसे बना कर गांव को सुर्पूद किया जाए। कोल साइडिंग जहां तक था ठीक था। कोल वॉशरी खुलने के बाद गांव की क्षति हो जायेगी। बहुत मुश्किल हो जायेगा। जीना मुश्किल हो जाएगा। हमारे यहां वो लेंटर के उपर बड़ी सुखाते है जो बड़ी वो काला हो जाता है। और जब बच्चा पैदा भी होगा तो भी काला पैदा होगा।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जांजगीर—चांपा तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब लगभग 3:00 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जांजगीर—चांपा द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री डी. एस. राजपूत, परियोजना एडवाइजर एवं डॉ. जे. के. मोईत्रा, पर्यावरण सलाहकार, (परियोजना कंसलटेन्ट) नई दिल्ली, मेसर्स महावीर कोल वॉशरीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम—कन्हाईबंद, तहसील व जिला—जांजगीर—चांपा (छ.ग.) के द्वारा परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को अवगत कराया गया। लगभग 3:00 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जांजगीर—चांपा द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 271 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका-टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 99 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका-टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 100-150 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 11 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर
कार्यालय कलेक्टर
जांजगीर-चांपा